भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1706

10.03.2025 को उत्तर के लिए

पश्चिम बंगाल में पर्यावरण संबंधी मुद्दे

1706. श्री जगन्नाथ सरकार :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम बंगाल के प्रमुख शहरों में प्रदूषण के स्तर की वर्तमान स्थिति क्या है तथा वायु और जल प्रदूषण का शमन करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) राज्य में वन क्षेत्र और जैव विविधता को संरक्षित करने और इसका विस्तार करने के लिए क्या पहल की गई है;

(ग) पश्चिम बंगाल में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति और राज्य के कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने पर उनका प्रभाव क्या है; और

(घ) जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, जैसे प्रतिकूल मौसम की घटनाओं और कृषि तथा आजीविका पर उनके प्रभाव को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) पश्चिम बंगाल के प्रमुख शहरों में वर्ष 2023-24 के दौरान मापी गई पीएम$_{10}$ सांद्रता के संदर्भ में वायु प्रदूषण के स्तरों का ब्यौरा **संलग्नक I** में दिया गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता, दुर्गापुर, आसनसोल, हावड़ा, हल्दिया और बैरकपुर नामक छह शहरों सहित 130 शहरों (मानकों को पूरा न करने और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों) में वायु गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से जनवरी 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया। वायु गुणवत्ता में सुधार संबंधी उपाय करने हेतु शहर कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए इन शहरों को 1089.78 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है।

पश्चिम बंगाल में 3 मिग्रा/ली. से अधिक जैव-रासायनिक ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) स्तर वाले 13 प्रदूषित नदी खंड अभिज्ञात किए गए थे, जिनका ब्यौरा **संलग्नक II** में दिया गया है।

भारत सरकार ने जैवविविधता के संरक्षण के लिए अनेक कदम उठाए हैं जिनमें वनस्पति-जात और प्राणि-जात संसाधनों का सर्वेक्षण, सूचीकरण, वर्गिकी मान्यकरण और जोखिम आकलन, वनों की आयोजना और निगरानी के साथ-साथ संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक सटीक डेटाबेस विकसित करने संबंधी आकलन; राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, संरक्षण और सामुदायिक रिजर्वों के संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क की स्थापना; प्रमुख पारिप्रणालियों के संरक्षण के लिए जैवमंडल रिजर्व को नामोद्दिष्ट करना शामिल है। बाघ परियोजना, हाथी परियोजना एवं डॉल्फिन परियोजना जैसे प्रजाति उन्मुख कार्यक्रमों के साथ-साथ बाह्य स्थाने संरक्षण प्रयास भी शुरू किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में जैविक विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 37(1) के तहत 10 जैवविविधता धरोहर स्थल अधिसूचित किए गए हैं, जिनका ब्यौरा **संलग्नक III** में दिया गया है।

पश्चिम बंगाल की कुल संस्थापित नविकरणीय ऊर्जा क्षमता 1,977.22 मेगावाट है। इसमें लघु जल विद्युत से 98.50 मेगावाट, पवन विद्युत से 343.46 मेगावाट, जैव विद्युत से 194.06 मेगावाट और सौर विद्युत से 1,341.20 मेगावाट शामिल है।

भारत की जलवायु संबंधी कार्रवाई, इसके अद्यतित राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (एनडीसी) और वर्ष 2070 तक निवल शून्य का लक्ष्य प्राप्त करने की दीर्घकालिक कार्यनीति द्वारा निर्देशित होती है और यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एनएपीसीसी) में सभी जलवायु संबंधी कार्रवाइयों के लिए एक समावेशी कार्यढांचे का प्रावधान किया गया है और इसमें सौर ऊर्जा, संवर्धित ऊर्जा दक्षता, संधारणीय पर्यावास, जल, संधारणीय हिमालयी पारिप्रणाली, हरित भारत, संधारणीय कृषि, मानव स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन के लिए कार्यनीतिक ज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों के मिशन शामिल हैं। इन सभी उद्देश्यों को उनके संबंधित नोडल मंत्रालयों/विभागों द्वारा संस्थागत और कार्यान्वित किया जाता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सरकार के प्रयासों में सहायता करते हुए जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (सीसीएपी) और राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन निधि (एनएएफसीसी) नामक केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें कार्यान्वित की है।

*****

संलग्नक-I

पश्चिम बंगाल के प्रमुख शहरों में पीएम$_{10}$ की वार्षिक औसत सांद्रता

क्र.सं.	**शहर**	**वर्ष 2023-24 में पीएम$_{10}$ सांद्रता ($\mu g/m^3$) (वार्षिक औसत)**
1.	कोलकाता	94
2.	दुर्गापुर	106
3.	आसनसोल	108
4.	हावड़ा	111
5.	हल्दिया	87
6.	बैरकपुर	99

संलग्नक II

वर्ष 2022 के दौरान पश्चिम बंगाल में प्रदूषित नदी खंड

क्र.सं.	प्रदूषित नदी खंडस्थान	प्रदूषित नदी खंड/स्थान
1.	बराकर	आसनसोल से होकर बहने वाला
2.	चुरनी	बिजयपुर से राणाघाट
3.	दामोदर	दिशेरगढ़ से बर्दवान
4.	द्वारकेश्वर	बांकुरा नगर से होकर बहने वाला
5.	द्वारका	तारापीठ के किनारे
6.	गंगा	बेहरामपुर से हल्दिया
7.	जलांगी	कृष्णा नगर से होकर बहने वाला
8.	कांसी	मिदनापुर से होकर बहने वाला
9.	महानंदा	सिलीगुड़ी से होकर बहने वाला
10.	माथा भंगा	गोबिंदपुर से होकर बहने वाला
11.	रूपनारायण	कोलाघाट से जियोंखाली
12.	तीस्ता	सेवोका से होकर बहने वाला
13.	विंद्यधारी	हरोआ से मलांचा

संलग्नक-III

पश्चिम बंगाल में जैवविविधता धरोहर स्थल (बीएचएस)

क्र.सं.	जैवविविधता धरोहर स्थल का नाम (बीएचएस)	स्थान
1.	टोंग्लू बीएचएस	दार्जिलिंग
2.	धोत्रे बीएचएस	दार्जिलिंग
3.	चिल्कीगढ़ कनक दुर्गा	झारग्राम
4.	बनेश्वर शिव डिघी	कूचबिहार-II
5.	अमखोई काष्ठ जीवाश्म पार्क	बीरभूम
6.	चार बालीडांगा	नादिया
7.	नामथिंग पोखरी	दार्जिलिंग
8.	राज्य बागवानी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र	नादिया
9.	बीरमपुर-बगुरान जलपाई	पूर्व मेदिनीपुर
10.	हल्दीर चार द्वीप	पूर्व मेदिनीपुर

****